भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3303

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2019/18 अग्रहायण, 1941 (शक)

रोजगार सृजित करने वाले उद्योग

3303. श्री महाबली सिंहः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में बेरोजगारों की बढ़ती संख्या को कम करने के लिए सरकार द्वारा बड़े और छोटे उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे उद्योगों की संख्या और ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऐसे उद्योगों में रोजगार पाने वाले बेरोजगारों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ग): नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार सृजन सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने देश में रोजगार पैदा करने के लिए कई कदम उठाए हैं जैसे अर्थव्यवस्था के निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना, पर्याप्त निवेश सहित विभिन्न परियोजनाओं को गति प्रदान करने वाली विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करना।

राष्ट्रीय विनिर्माण नीति रोजगार संघन उद्योगों जैसे वस्त्र एवं गारमेंट्स, चमड़ा एवं जूतें, रत्न एवं आभूषण तथा खाद्य प्रसंसकरण इत्यादि को विशेष सकेंद्रण केंद्रों के रूप में चिन्हित करती हैं। यह नीति लघु पैमाने के उद्योंगों पर विशेष ध्यान देती हैं क्योंकि वे वे स्व-रोजगार तथा विविध भूगोंलों दोनों में रोजगार अवसर प्रस्तुत अवसर प्रस्तुत करते हैं।

एएसपीआईआरई (नवप्रवर्तन, ग्रामीण उद्योग एवं उद्यमशीलता के संवर्द्धन के लिए योजना) कृषि-उद्योग में उद्यमशीलता को तेजी से बढ़ाने के लिए औद्योगिक केंद्रों के नेटवर्क तथा उद्भवन केंद्रों की स्थापना के लिए प्रारंभ की गई थी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई मंत्रालय) की एएसपीआईआरई योजना के तहत प्रशिक्षित व्यक्ति कृषि-उद्यमी बन सकते हैं तथा प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), जिसके तहत बैंक द्वारा ऋण प्रदान किया जाता है तथा भारत सरकार द्वारा 15-35% तक राज-सहायता प्रदान की जाती है, सहित सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। व्यक्ति संबंधित उद्योग में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा आगे उच्चतर कौशल/प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रोजगार और बेरोजगारी पर श्रम बल सर्वेक्षण आयोजित किए जाते हैं, ऐसा पिछला वार्षिक, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2017-18 के दौरान आयोजित किया गया था। पीएलएफएस के परिणामें के अनुसार, देश में व्यापक उद्योग प्रभाग द्वारा सामान्य रूप से कार्यशील व्यक्तियों का सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर अनुमानित प्रतिशत वितरण नीचे दिया गया हैः

व्यापक उद्योग प्रभाग	कामगार (% में)
कृषि, वानिकी और मछली पालन	**44.1**
खनन और उत्खनन	**0.4**
विनिर्माण	**12.1**
विद्युत, जल आदि	**0.6**
निर्माण	**11.7**
व्यापार, होटल एवं रेस्तरां	**12.0**
परिवहन, भंडारण एवं संचार	**5.9**
अन्य सेवाएं	**13.2**

स्रोतः वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस , 2017-18

*****